Result Mitra Daily Magazine

यूक्रेन की आजादी

❖ यूक्रेन :

- पूर्वी यूरोप का एक देश,
- पूर्व में रूस, उत्तर में बेलारूस, स्लोवाकिया एवं हंगरी, दक्षिण-पश्चिम में रोमानिया एवं माल्डोवा तथा दक्षिण में काला सागर एवं अजोव सागर,
- सिर्फ यूरोप में अवस्थिति के आसार पर क्षेत्रफल के मामले में यूरोप का सबसे बडा देश।

Note :- यूरोप सहित दुनिया का सबसे बडा देश (क्षेत्रफल) रूस है, लेकिन वह एशिया एवं यूरोप दोनों में स्थित है।

- स्टेपी ग्रासलैंड का बहुत बडा भाग यूक्रेन में स्थित है, जो गेहूँ के उत्पादन के लिये प्रसिद्ध है।

❖ इतिहास :

- आधुनिक इतिहास की शुरूआत "कीवियन रूस" नामक विशाल साम्राज्य की स्थापना से (9वीं शताब्दी)
- 12वीं शताब्दी में "कीवियन रूस" साम्राज्य का विघटन,
- 19वीं शताब्दी तक यूक्रेन का बडा भाग रूसी साम्राज्य का एवं शेष भाग ऑस्ट्रो-हंगेरियन साम्राज्य के अधीन,
- 1922 में सोवियत संघ (USSR) के संस्थापक सदस्य के रूप में शामिल,
- 1945 में यूक्रेनी सोवियत सोशलिस्ट रिपब्लिक का गठन एवं संयुक्त राष्ट्र संगठन का संस्थापक सदस्य बना।
- सोवियत संघ के विघटन के बाद स्वतंत्र राष्ट्र बना।

❖ चर्चा में क्यों ?

- 24 अगस्त 1991 को कई यूक्रेनी सांसदों ने यूक्रेन का झंडा संसदीय कक्ष में स्थापित किया एवं यूक्रेनी स्वतंत्रता की घोषणा की।
- यह झंडा आज भी यूक्रेनी संसदीय कक्ष में रखा हुआ है।
- यूक्रेन 2024 में 33वाँ स्वतंत्रता दिवस मना रहा है।

❖ मायकोला पोरोवस्की (MP) :

- MP उन सांसद प्रतिनिधियों में शामिल थे, जिन्होंने 24 अगस्त 1991 को मास्को से स्वतंत्रता एवं यूक्रेन गणराज्य की स्थापना की घोषणा की थी।
- MP ने आजादी की लडाई के दौरान पीपुल्स मूवमेंट पार्टी का गठन किया था, जो कम्यूनिस्ट विरोधी थे।
- वर्तमान में MP रिपब्लिन क्रिश्चियन पार्टी का नेतृत्व कर रहे हैं, जिसका प्रतिनिधित्व संसद में नहीं है।

❖ तख्तापलट का प्रयास :

- अगस्त 1991 में मास्को के "आपातकाल की स्थिति पर संयुक्त राज्य समिति" ने तत्कालीन सोवियत संघ के राष्ट्रपति मिखाइल गोर्बाचेव को पद से हटाने का प्रयास किया।
- तख्तापलट की कोशिश असफल होने के बाद कीव (यूक्रेन की वर्तमान राजधानी) में लोगों ने फैसला किया कि वे यूक्रेन को जल्द ही स्वतंत्र करेंगे।
- इससे पूर्व 1990 में हुए चुनावों में पीपुल्स काउंसिल (आजादी समर्थक) ने संसद में चुनाव जीतकर प्रवेश किया।

❖ विपक्ष एवं कम्यूनिस्टों में समझौता :

- कम्यूनिस्ट बहुमत में 239 सदस्य थे, जिन्हें "Group of 239" भी कहा जाता था।
- बिना कम्यूनिस्टों के समर्थन से यूक्रेन की स्वतंत्रता की घोषणा संसद में होना मुश्किल था, इसलिये पीपुल्स काउंसिल के अध्यक्ष इहोर युखनोवस्की ने कम्यूनिस्टों को मनाने का प्रयास किया।
- कम्यूनिस्टों ने कुछ मांगों (स्वतंत्र यूक्रेन में उन पर अत्याचार नहीं होगा, उन्हें नौकरियों से नहीं हटाया जाएगा आदि) की स्वीकृति मिल जाने पर यूक्रेन की स्वतंत्रता के पक्ष में संसद में मतदान करने की सहमति जताई।

❖ तत्कालीन परिदृश्य :

- उस समय यूक्रेन में 9 लाख सोवियत सैनिक थे।
- 60000 से ज्यादा Special Category के सैन्य बल थे।
- MP के अनुसार सैन्य बल इतना ताकतवर था कि किसी को भी मिट्टी में मिला सकता था, लेकिन यूक्रेन के लोग भी स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिये कुछ भी कर सकते थे।
- दिलचस्प यह कि इस समय रूस के वर्तमान राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन उस समय यूक्रेन में ही मौजूद थे, जो उस समय KGB (सोवियत संघ की खुफिया एजेंसी) के अज्ञात अधिकारी थे।

❖ USSR : निर्माण एवं पतन :

- 1922 में USSR का गठन,
- USSR में शामिल देशों पर बोल्टोविकों का क्रूर शासन,
- घटक राज्यों में केवल यूक्रेन एवं कजाकिस्तान को कुछ स्वायत्ता प्राप्त थी।
- USSR में 15 घटक गणराज्य थे।
- USSR में 60% क्षेत्रफल एवं 50% आबादी रूस की ही थी।
- 1940 में USSR ने हमला के द्वारा लिथुआनिया, लातविया एवं एस्टोनिया (बाल्टिक देश) एवं माल्डोवा को USSR में मिला दिया।
- गोर्बाचेव ने रूस की आर्थिक सुदृढीकरण के उद्देश्य से जिन योजनाओं को प्रारंभ किया, उसने सोवियत संघ के विघटन में भूमिका निभाई।
- गोर्बाचेव को शीत युद्ध की समाप्ति एवं USSR के विघटन के लिये याद किया जाता है।

❖ पतन के बाद अलग हुए देश :

1. अजरबैजान
2. आर्मेनिया
3. बेलारूस
4. कजाकिस्तान
5. यूक्रेन
6. उज्बेकिस्तान
7. तुर्कमेनिस्तान
8. तजाकिस्तान
9. किर्गिस्तान
10. माल्डोवा
11. जॉर्जिया
12. लातविया
13. रूस
14. लिथुआनिया
15. एस्टोनिया

Note :- USSR से अलग होने वाला पहला देश लिथुआनिया था।

Result Mitra TM